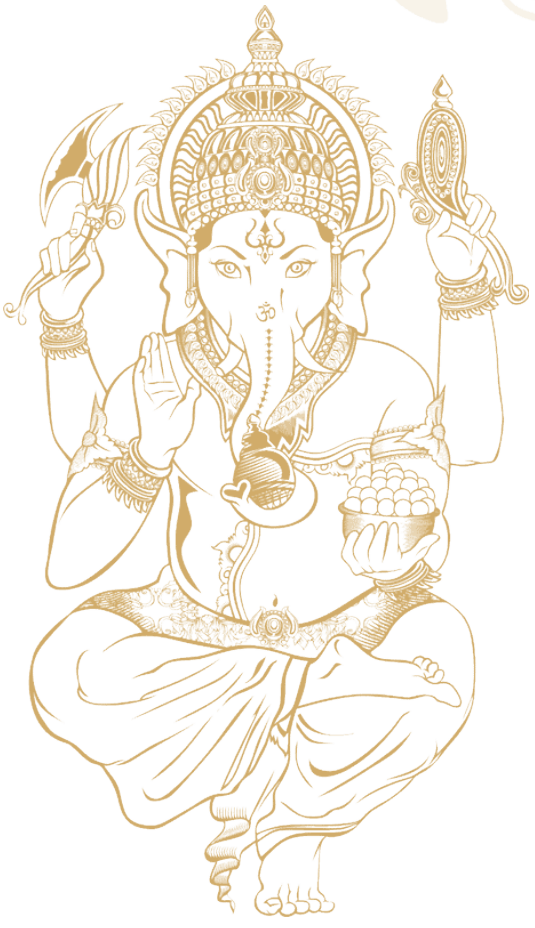

Lakshay

Ankita

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121235901

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121235901 Date: 10/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/11/1998	जन्म तिथि	26-27/12/2001
मंगलवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 07:20:00	जन्म समय	06:55:00 घंटे
घटी 01:44:38	जन्म समय(घटी)	59:02:53 घटी
India	देश	India
Solan	स्थान	Solan
30:54:00 उत्तर	अक्षांश	30:54:00 उत्तर
77:06:00 पूर्व	रेखांश	77:06:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:36	स्थानिक संस्कार	-00:21:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:38:08	सूर्योदय	07:17:50
17:32:49	सूर्यास्त	17:26:40
23:50:16	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:48

तुला	लग्न	धनु
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
मेष	राशि	मेष
मंगल	राशि-स्वामी	मंगल
अश्विनी	नक्षत्र	कृतिका
केतु	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
1	चरण	1
वज्र	योग	साध्य
वणिज	करण	बव
चू-चूड़ामणि	जन्म नामाक्षर	अ-आकांक्षा
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
क्षत्रिय	वर्ण	क्षत्रिय
चतुष्पाद	वश्य	चतुष्पाद
अश्व	योनि	मेष
देव	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
सिंह	वर्ग	गरूड़

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 6वर्ष 10मा 23दि	24:35:42	तुला	लग्न	धनु	05:07:30	सूर्य 4वर्ष 11मा 25दि
सूर्य	16:35:55	तुला	सूर्य	धनु	11:28:12	राहु
26/09/2025	00:11:39	मेष	चंद्र	मेष	28:54:59	23/12/2023
27/09/2031	22:07:54	सिंह	मंगल	कुंभ	19:23:03	22/12/2041
सूर्य 14/01/2026	08:00:06	वृश्चि	बुध	धनु	23:56:37	राहु 04/09/2026
चन्द्र 16/07/2026	24:30:38	कुंभ व	गुरु व	मिथु	17:27:14	गुरु 28/01/2029
मंगल 20/11/2026	17:35:13	तुला	शुक्र	धनु	07:03:50	शनि 05/12/2031
राहु 15/10/2027	05:30:25	मेष व	शनि व	वृष	15:46:22	बुध 23/06/2034
गुरु 02/08/2028	04:51:33	सिंह व	राहु	मिथु	03:17:56	केतु 11/07/2035
शनि 15/07/2029	04:51:33	कुंभ व	केतु	धनु	03:17:56	शुक्र 11/07/2038
बुध 22/05/2030	15:04:15	मक	हर्ष	मक	28:21:21	सूर्य 05/06/2039
केतु 27/09/2030	05:41:16	मक	नेप	मक	13:23:47	चन्द्र 04/12/2040
शुक्र 27/09/2031	13:02:35	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	21:58:39	मंगल 22/12/2041

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:16 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:48

लग्न-चलित

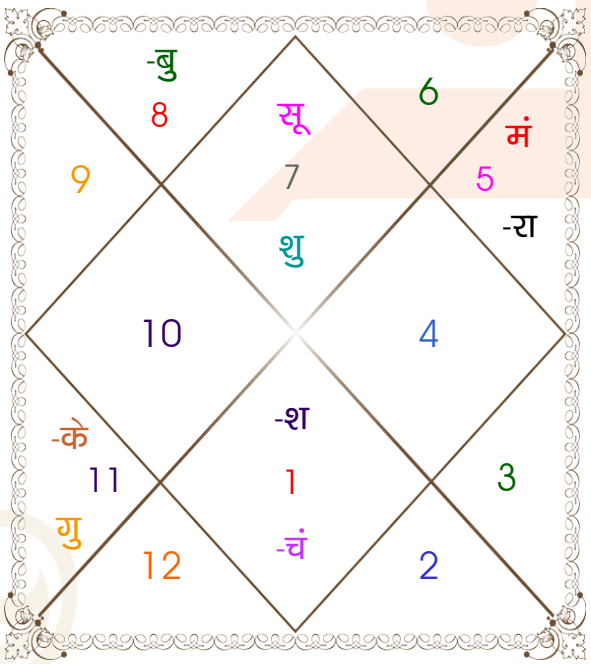

लग्न-चलित

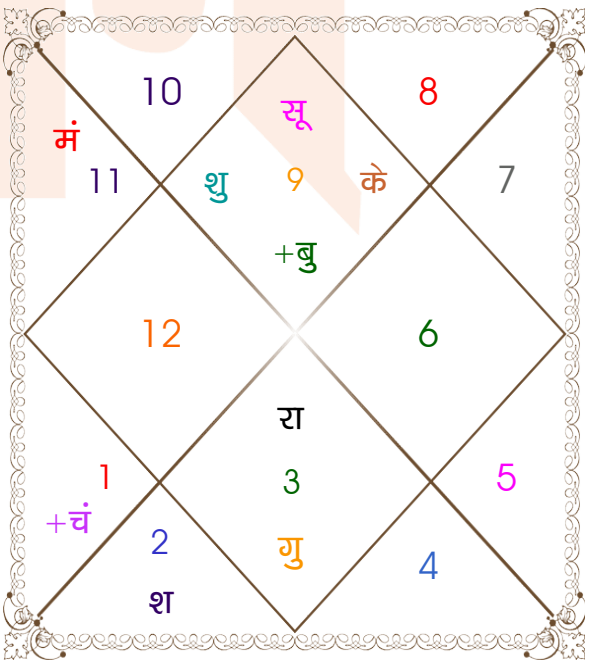

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.50		

कुल : **28.5 / 36**

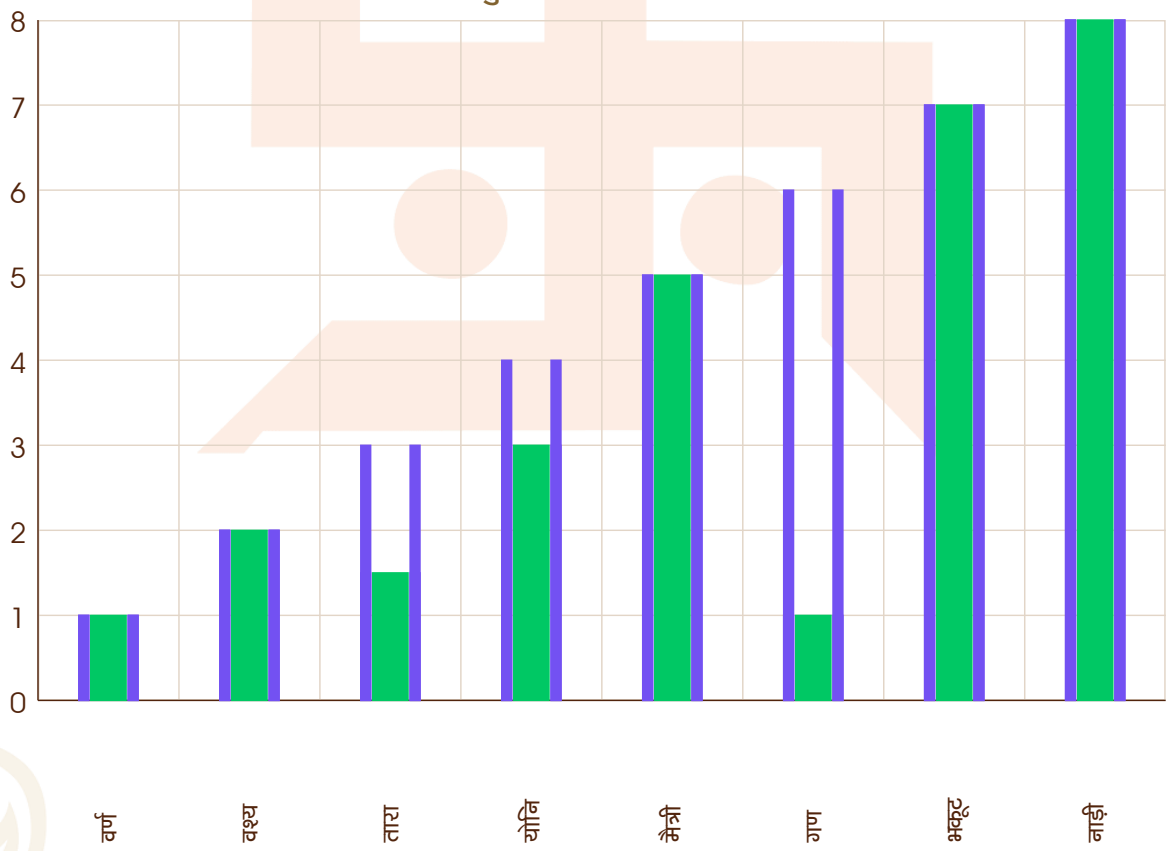

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अष्टकूट मिलान

Lakshay का वर्ग सिंह है तथा ।दापजं का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Lakshay और ।दापजं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Lakshay मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

।दापजं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Lakshay तथा ।दापजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Lakshay का वर्ण क्षत्रिय तथा ।दापजं का वर्ण भी क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों ही दम्पत्ति अति ऊर्जावान, साहसी, उद्यमी होंगे साथ ही दोनों एक-दूसरे के साथ सद्भाव एवं प्रेम से जीवन बितायेंगे। इसके अतिरिक्त समय-समय पर एक-दूसरे की सहायता से सुखी एवं समृद्ध परिवार का निर्माण करने में योगदान देते रहेंगे।

वश्य

Lakshay का वश्य चतुष्पद है एवं ।दापजं का वश्य भी चतुष्पद है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप Lakshay एवं ।दापजं दोनों के स्वभाव, पसंद एक समान होंगे तथा आपसी तालमेल काफी अच्छा रहेगा, जिससे परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता रहेगा। दोनों के बीच अत्यधिक प्रेम की भावना भी बनी रहेगी।

तारा

Lakshay की तारा मित्र तथा ।दापजं की तारा विपत है। ।दापजं की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान Lakshay एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि ।दापजं का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

Lakshay की योनि अश्व है तथा ।दापजं की योनि मेष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Lakshay एवं ।दापजं दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Lakshay एवं ।दापजं दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

Lakshay का गण देव तथा ।दापजं का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में ।दापजं निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो वर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक साबित हो सकता है। ऐसी पत्नी से अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार से निर्वहन करेंगी। ।दापजं की अक्सर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

भकूट

Lakshay एवं ।दापजं दोनों की राशि एक समान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान Lakshay एवं ।दापजं तथा परिवार के चतुर्दिक विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - सौभाग्य, सम्पत्ति, समाज में मान-सम्मान तथा योग्य संतान आदि प्राप्त होगी।

नाड़ी

Lakshay की नाड़ी आद्य है तथा ।दापजं की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। Lakshay की आद्य नाड़ी तथा ।दापजं की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

Lakshay तथा ।दापजं दोनों की मेष राशि है। यह राशि अग्नि तत्व से युक्त है। अतः दोनों की एक ही राशि होने के कारण शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर यह मिलान उत्तम रहेगा तथा जीवन में एक आदर्श दम्पति के रूप में सुखपूर्वक अपना समय व्यतीत करने में ये समर्थ रहेंगे। इनके आपसी सम्बन्धों में भी मधुरता बनी रहेगी।

आप दोनों की राशि का स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आप दोनों के मध्य मित्रता एवं परस्पर सामंजस्य का भाव नित्य बना रहेगा। इसके प्रभाव से आप तेजस्वी उत्साही एवं स्वतंत्र प्रवृति के होंगे तथा एक दूसरे के अस्तित्व को पूर्ण सम्मान प्रदान करते हुए अपने जीवन को व्यतीत करेंगे। जिससे पारिवारिक आप आवश्यक सुखोपभोग की सामग्री एवं उपकरणों को अर्जित करने में समर्थ रहेंगे एवं सुखपूर्वक इनका उपभोग भी करेंगे।

Lakshay और ।दापजं दोनों का वश्य चतुष्पद है। इसके शुभ प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा आपस में किसी भी प्रकार के सैद्धान्तिक मतभेदों की न्यूनता रहेगी जिससे इनका दाम्पत्य जीवन शांतिपूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही दोनों का परस्पर आत्मिक स्नेह एवं प्रेम का भाव रहेगा तथा सांसारिक सुख में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे जिससे परस्पर आकर्षण आसक्ति एवं सम्मिलन का भाव नित्य बना रहेगा।

आप दोनों का वर्ण क्षत्रिय है। अतः कार्यक्षेत्र में आपकी क्षमताएं समान होंगी। अतः आपस में न्यूनाधिक का भाव नहीं रहेगा। साथ ही दोनों सक्रिय प्रकृति के होंगे तथा किसी भी कार्य को उत्साह पराक्रम एवं परिश्रम पूर्वक करने में समर्थ रहेंगे तथा साहस पूर्वक जीवन में समस्याओं का सामना तथा समाधान करने में समर्थ रहेंगे। अतः अपने आत्मविश्वास एवं परिश्रम से आप सुखी जीवन व्यतीत करने में समर्थ रहेंगे।

धन

Lakshay और ।दापजं दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्काॅलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

स्वास्थ्य

Lakshay की नाड़ी आद्य तथा ।दापजं की नाड़ी अंत्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण वे नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। इसके प्रभाव से उनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा पराक्रम एवं परिश्रम से अपने सांसांरिक महत्व के कार्यो को सम्पन्न करने में समर्थ होंगे जिससे उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही मंगल का भी इनमें किसी के भी स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा।

संतान

संतति की दृष्टि से Lakshay और ।दापजं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Lakshay और ।दापजं को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त Lakshay और ।दापजं के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

।दापजं का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः ।दापजं के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती है उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार ।दापजं सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा Lakshay और ।दापजं को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Lakshay और ।दापजं का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

।दापजं के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद ।दापजं अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

उनकी ओर से ।दापजं पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि ।दापजं अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

Lakshay की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Lakshay सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Lakshay ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Lakshay के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com